S-265

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-601

काव्यशास्त्र भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

3rd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा के क्रमिक विकास को दर्शाते हुए आचार्य भरत का जीवन वृत्त प्रस्तुत कीजिए।

2. संस्कृत की आलोचना-परम्परा में रामायण 'सिद्धरस' प्रबन्ध है। सिद्ध कीजिए।

3. संस्कृत नाट्य परम्परा पर प्रकाश डालिए।

4. 'शोकः श्लोकत्वमागतः' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

अथवा

नाट्य साहित्य के उद्भव पर प्रकाश डालिए।

5. संस्कृत गद्य परम्परा की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. 'वाणी बाणो बभूव' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

2. शिवराजविजय का परिचय दीजिए।

3. आचार्य मम्मट के मतानुसार काव्य-भेदों का वर्णन कीजिए।

4. भामह अथवा वामन का जीवन परिचय लिखिए।

5. रामायण का मानव-जीवन में पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डालिए।

6. महाभारत का परिचय दीजिए।

7. धनञ्जय के विषय में विस्तार से परिचय दीजिए।

8. अभिनव गुप्त का परिचय दीजिए।

अथवा

विश्वनाथ की गद्य शैली की विवेचना कीजिए।